1	2	3	4		
B.	*Private Sector :*				
1. 2.	M/s. Milk Food Ltd.	Bahadurgarh, Patiala (Pb.)	329	210	495
2.	M/s. Glindia Ltd.	Aligarh (UP).	1058	470	545
3.	M/s. Lipton (India) Limited	Etah (UP)	341	10	
4.	M/s. Nestle (India) Limited.	Moga (Punjab).	11988	11590	12580
5.	M/s. Dempo Dairy Industries	Bijapur (Karnataka).	333	530	290
6.	M/s. Haryana Milk Food.	Pehowa	631	415	250
7.	M/s. Dalmia Dairy Ind. Limited.	Bharatpur (Rajasthan)	4036	2850	3450
8.	M/s. Foremost Ind. Limited.	Saharanpur (UP).	108	60	
9.	M/s. Raptakos Brett & Co. I limited. Total	Bombay (B) (A.)	1065	1055	960
			19889	17190	18570
			36739	40585	41400
	Grand Total		56628	57775	59970

उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण उद्योग

2610. मौलाना ओबैदुल्ला ख़ान आज़मी : क्या खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) केन्द्रीय सरकार ने उत्तर प्रदेश में पिछले दो वर्षों के दौरान कौन-कौन से खाद्य प्रसंस्करण उद्योग स्थापित किए जाने की सिफारिश की;

(ख) प्रत्येक के सम्बन्ध में अब तक क्या प्रगति हुई है;

(ग) अगले एक या दो वर्षों में उनका कितना विस्तार किए जाने का प्रस्ताव है; और

(घ) ऐसे उद्योगों को बढ़ावा देने में उनके मंत्रालय को अब तक कितनी सफलता मिली है?

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री गिरिधर गोमांगो) : (क) से (घ) यद्यपि यह मंत्रालय राज्यों में सीधे खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों को स्थापित नहीं करता है, परन्तु खाद्य प्रसंस्करण सेक्टर में इस मंत्रालय द्वारा तैयार की गई विभिन्न योजना स्कीमों के अन्तर्गत राज्य सरकार उपक्रमों/सहकारिताओं/संयुक्त सेक्टर आदि को सहायता दी जाती है। 1991–92 के दौरान उत्तर प्रदेश सरकार के माध्यम से मांस प्रसंस्करण यूनिटों की स्थापना हेतु तीन परियोजनाएं प्राप्त हुई थीं। इनमें अलीगढ़ में कुक्कुट प्रसंस्करण संयंत्र, उत्तर प्रदेश में मांस कॉम्पलैक्स और अलीगढ़ में आधुनिक सूअर प्रसंस्करण संयंत्र की स्थापना हेतु प्रस्ताव शामिल हैं। 1991–92 के दौरान अलीगढ़ में आधुनिक सूअर प्रसंस्करण संयंत्र के लिए इक्विटी के रूप में 63 लाख रुपये की सहायता दी गई है और शेष दो प्रस्तावों पर कार्रवाई शुरु की गई है।

इसके अलावा उत्तर प्रदेश में बीयर तैयार करने हेतु 2, पोटेबल एल्कोहल तैयार करने हेतु 9 और फलों एवं सब्जियों के प्रसंस्करण के लिए 100% निर्यातोन्मुखी यूनिटों की स्थापना हेतु 9 आशय पत्र मंजूर किये गये हैं।